खाटू की मिट्टी का तिलक

खाटू की मिट्टी का तिलक लगा के,
मैं धन्य हुई श्याम मेरे ने मैं दीवानी घूम रही तेरे नाम की दीवानी आई चौकठ पे,
सांवरियां सुन मैं तो थी अनजानी अब हो गई दीवानी तेरे चितवन की ,
खाटू की मिट्टी का तिलक

ये दुनिया कुछ भी बोले तेरा मनवा खाटू ढोले,
मैं ते ओहडी चुनरिया तेरे नाम की हो बाबा,
श्याम मेरे ने मैं दीवानी घूम रही तेरे नाम की दीवानी आई चौकठ पे,

जीवन का आनंद मिला जो तू मिला मैं धन्य हुई,
ओ श्याम मेरे मैं तेरी ही जोगन बन के आई हु तेरी चौकठ पे,

तूने प्रीत की डोर बड़ाई है किस्मत रंग ले आई,
ये उम्र जाए कट तेरी सेवा में
ओ श्याम मेरे मैं तेरी ही जोगन बन के आई हु तेरी चौकठ पे,

मेरे तन मन का होश मुझे न आ भनु धन्य हुए श्याम मेरे मैं चोखानी संग तुझको रिझाने आई,
आई हु तेरी चौकठ पे,
खाटू की मिट्टी का तिलक लगा के,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14845/title/khatu-ki-miti-ka-tilak-lga-ke

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |